प्रमुख कवि, लेखक और उनकी रचनाएं

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
1	चंदबरदाई	पृथ्वीराज रासो	हिन्दी का प्रथम महाकाव्य (69 समय/अध्याय)
2	जगनिक	परमाल रासो (आल्हाखंड)	वीर रस का लोकोत्सव काव्य (वर्षा ऋतु में गायन)
3	नरपति नाल्ह	बीसलदेव रासो	श्रृंगार प्रधान काव्य (बारहमासा का प्रथम वर्णन)
4	दलपति विजय	खुमान रासो	चित्तौड़ के राजा खुमान के युद्धों का वर्णन

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
5	अमीर खुसरो	पहेलियाँ एवं मुकरियाँ	खड़ी बोली के प्रथम कवि
6	विद्यापति	पदावली	मैथिली भाषा में रचित (इन्हें 'मैथिल कोकिल' कहते हैं)
7	विद्यापति	कीर्तिलता	अवहट्ट भाषा में रचित ऐतिहासिक काव्य
8	अब्दुल रहमान	संदेश रासक	किसी मुस्लिम कवि द्वारा लिखित प्रथम हिन्दी/अपभ्रंश ग्रंथ

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
9	देवसेन	श्रावकाचार	हिन्दी की प्रथम प्रामाणिक पुस्तक (933 ई.)
10	कबीरदास	बीजक (साखी, सबद, रमैनी)	निर्गुण संत काव्य (भाषा: सधुक्कड़ी/पंचमेल खिचड़ी)
11	मलिक मोहम्मद जायसी	पद्मावत	सूफी काव्यधारा का प्रथम प्रामाणिक महाकाव्य
12	मलिक मोहम्मद जायसी	अखरावट	वर्णमाला के एक-एक अक्षर पर सूफी सिद्धांतों का वर्णन

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
13	मलिक मोहम्मद जायसी	आखिरी कलाम	कयामत और बाबर का वर्णन
14	मुल्ला दाऊद	चंदायान	सूफी काव्यधारा की प्रथम रचना मानी जाती है
15	कुतुबन	मृगावती	आचार्य शुक्ल ने इसे सूफी परंपरा की पहली पुस्तक माना
16	मंझन	मधुमालती	प्रसिद्ध सूफी प्रेमाख्यानक

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
17	गोस्वामी तुलसीदास	रामचरितमानस	अवधी भाषा का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य (7 कांड)
18	गोस्वामी तुलसीदास	विनयपत्रिका	ब्रजभाषा में रचित विनय के पद
19	गोस्वामी तुलसीदास	कवितावली	ब्रजभाषा में रचित कवित्त और सवैया छंद
20	गोस्वामी तुलसीदास	दोहावली	नीति और भक्ति के दोहों का संग्रह

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
21	गोस्वामी तुलसीदास	बरवै रामायण	रहीम के कहने पर बरवै छंद में रचित रामायण
22	सूरदास	सूरसागर	ब्रजभाषा का सर्वश्रेष्ठ कृष्ण भक्ति काव्य
23	सूरदास	साहित्य लहरी	दृष्टिकूट पदों और अलंकारों का संग्रह
24	सूरदास	सूरसारावली	सूरसागर का सार ग्रंथ

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
25	नंददास	रासपंचाध्यायी	अष्टछाप के 'जड़िया कवि' की सर्वश्रेष्ठ रचना
26	मीराबाई	गीत गोविंद की टीका	कृष्ण भक्ति के स्फुट पद
27	मीराबाई	नरसी जी का मायरा	प्रसिद्ध कृष्ण भक्ति पद
28	रसखान	सुजान रसखान	सवैया छंद में कृष्ण भक्ति (मूल नाम: सैयद इब्राहिम)
29	रसखान	प्रेमवाटिका	श्रृंगार और प्रेम निरूपण

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
30	नाभादास	भक्तमाल	200 भक्तों के चरित्र का छप्पय छंद में वर्णन (1585 ई.)
31	अग्रदास	ध्यानमंजरी	राम भक्ति में रसिक भावना लाने वाले कवि
32	प्राणचंद चौहान	रामायण महानाटक	संवादात्मक नाटक शैली का काव्य (1610 ई.)

भाग 1: आदिकाल एवं भक्ति काल (महत्वपूर्ण रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
33	नरोत्तमदास	सुदामा चरित	प्रसिद्ध कृष्ण-सुदामा मित्रता पर खंडकाव्य
34	रहीम	बरवै नायिका भेद	रहीम और तुलसीदास के बीच मित्रता का प्रतीक ग्रंथ

भाग 2: रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
35	केशवदास	रामचंद्रिका	इसे 'छंदों का अजायबघर' कहा जाता है
36	केशवदास	कविप्रिया	प्रसिद्ध अलंकार निरूपण ग्रंथ
37	केशवदास	रसिकप्रिया	रस निरूपण (केशव को 'कठिन काव्य का प्रेत' कहते हैं)
38	बिहारी लाल	बिहारी सतसई	713 दोहे, रीतिसिद्ध काव्य (गागर में सागर)

भाग 2: रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
39	महाकवि भूषण	शिवराज भूषण	105 अलंकारों का विवेचन (वीर रस के कवि)
40	महाकवि भूषण	शिवा बावनी	छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता का वर्णन
41	महाकवि भूषण	छत्रसाल दशक	महाराजा छत्रसाल की वीरता का वर्णन
42	मतिराम	रसराज	रीतिकाल का सबसे सरल शृंगारिक ग्रंथ

भाग 2: रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
43	मतिराम	ललित ललाम	अलंकार निरूपण का प्रसिद्ध ग्रंथ
44	चिंतामणि त्रिपाठी	कविकुल कल्पतरू	आचार्य शुक्ल के अनुसार रीतिकाल के प्रवर्तक
45	घनानन्द	सुजान सागर	रीतिमुक्त काव्य, सुजान (प्रेमिका) के विरह की तड़प
46	घनानन्द	इश्कलता	विरह और प्रेम की लाक्षणिक ब्रजभाषा

भाग 2: रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
47	बोधा	विरह वारीश	सुभान (प्रेमिका) के लिए रचित विरह काव्य
48	बोधा	इश्कनामा	प्रेम की कठिन राह का वर्णन
49	आलम	आलमकेलि	आत्मीय और घरेलू श्रृंगार के पद
50	कवि देव	भावविलास	नाद-सौंदर्य के कवि (34वाँ संचारी भाव 'छल' माना)
51	कवि देव	काव्य रसायन	शब्द-शक्तियों और अलंकारों का विवेचन

भाग 2: रीतिकाल (उत्तर मध्यकाल)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
52	सेनापति	कवित्त रत्नाकर	रीतिकाल में सर्वश्रेष्ठ 'ऋतु वर्णन' के कवि
53	पद्माकर	जगतविनोद	श्रृंगारिक नव-रस निरूपण का प्रसिद्ध ग्रंथ
54	पद्माकर	गंगा लहरी	अंतिम जीवन काल की प्रसिद्ध भक्ति रचना
55	भिखारीदास	काव्य निर्णय	काव्यांगों का वैज्ञानिक विवेचन करने वाले आचार्य

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
56	लाला श्रीनिवास दास	परीक्षा गुरु	हिन्दी का प्रथम मौलिक उपन्यास (1882 ई.)
57	देवकीनंदन खत्री	चंद्रकांता	प्रसिद्ध तिलस्मी-ऐयारी उपन्यास
58	गोपालराम गहमरी	अद्भुत लाश	हिन्दी के प्रथम जासूसी उपन्यासकार
59	किशोरीलाल गोस्वामी	इन्दुमती	हिन्दी की प्रथम मौलिक कहानी (1900 ई.)

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
60	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	अंधेर नगरी	प्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य प्रहसन नाटक
61	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	भारत दुर्दशा	देश की तत्कालीन स्थिति पर रचित प्रसिद्ध नाटक
62	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है?	प्रसिद्ध राष्ट्रीय चेतना का निबंध
63	बालकृष्ण भट्ट	नूतन ब्रह्मचारी	उपन्यास (इन्हें 'हिन्दी का स्टील' कहा जाता है)

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
64	प्रताप नारायण मिश्र	भौं, दाँत, नाक, मुँह	साधारण विषयों पर निबंध (इन्हें 'हिन्दी का एडिसन' कहते हैं)
65	बालमुकुंद गुप्त	शिवशंभु के चिट्ठे	लॉर्ड कर्जन पर तीखा राजनीतिक व्यंग्य निबंध
66	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'	उसने कहा था	फ्लैशबैक तकनीक पर आधारित हिन्दी की कालजयी कहानी
67	चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'	कछुआ धरम	प्रसिद्ध विचारात्मक निबंध

HINDI BY ARUN SIR

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
68	मुंशी प्रेमचंद	गोदान	कृषक जीवन की त्रासदी का सर्वश्रेष्ठ उपन्यास (1936 ई.)
69	मुंशी प्रेमचंद	गबन	मध्यमवर्गीय समाज और आभूषण की लालसा का उपन्यास
70	मुंशी प्रेमचंद	सेवासदन	वेश्यावृत्ति की समस्या पर आधारित उपन्यास
71	मुंशी प्रेमचंद	कफ़न / पूस की रात	यथार्थवादी सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
72	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	चिंतामणि (चार भाग)	हिन्दी के सर्वश्रेष्ठ मनोवैज्ञानिक और सुधारात्मक निबंध
73	आचार्य रामचंद्र शुक्ल	हिन्दी साहित्य का इतिहास	विधेयवादी पद्धति पर रचित सबसे मानक इतिहास ग्रंथ (1929)
74	जयशंकार प्रसाद	चंद्रगुप्त / स्कंदगुप्त	इतिहास और राष्ट्रभक्ति पर आधारित सर्वश्रेष्ठ नाटक

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
75	जयशंकार प्रसाद	ध्रुवस्वामिनी	नारी के पुनर्विवाह और अधिकार पर रचित नाटक
76	जयशंकार प्रसाद	आकाशदीप / पुरस्कार	प्रसिद्ध भावुकता और कर्तव्य प्रधान कहानियाँ
77	सरदार पूर्ण सिंह	आचरण की सभ्यता / मजदूरी और प्रेम	मात्र 6 निबंध लिखकर अमर होने वाले निबंधकार
78	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	बाणभट्ट की आत्मकथा	ऐतिहासिक सांस्कृतिक उपन्यास

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
79	आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी	अशोक के फूल / कुटज	सर्वश्रेष्ठ 'ललित निबंध' के उदाहरण
80	फणीश्वरनाथ 'रेणु'	मैला आँचल	हिन्दी का प्रथम पूर्ण आंचलिक उपन्यास (1954 ई.)
81	धर्मवीर भारती	गुनाहों का देवता	चंदर और सुधा की कहानी, अत्यंत लोकप्रिय उपन्यास
82	धर्मवीर भारती	अंधा युग	महाभारत के युद्ध पर आधारित प्रसिद्ध गीतिनाट्य

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
83	मोहन राकेश	आषाढ़ का एक दिन	महाकवि कालिदास के जीवन पर आधारित नाटक
84	मोहन राकेश	आधे-अधूरे	आधुनिक जीवन के तनाव और अधूरेपन का नाटक
85	श्रीलाल शुक्ल	राग दरबारी	शिवपालगंज गाँव पर आधारित तीखा व्यंग्य उपन्यास
86	यशपाल	झूठा सच (दो भाग)	भारत-पाक विभाजन पर आधारित विशाल उपन्यास

भाग 3: आधुनिक काल – गद्य विधाएँ (उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
87	भीष्म साहनी	तमस	विभाजन और सांप्रदायिक दंगों पर प्रसिद्ध उपन्यास
88	हरिशंकर परसाई	सदाचार का ताबीज / विकलांग श्रद्धा का दौर	हिन्दी व्यंग्य निबंधों के सर्वोच्च स्तंभ
89	स्वदेश दीपक	कोर्ट मार्शल	सेना के भीतर फैले जातिवाद पर चोट करता प्रसिद्ध नाटक
90	मन्नू भंडारी	आपका बंटी	तलाकशुदा माता-पिता के बच्चे पर आधारित उपन्यास

भाग 4: आधुनिक काल - पद्य विधा (प्रसिद्ध काव्य रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
91	अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'	प्रियप्रवास	खड़ी बोली का प्रथम महाकाव्य (1914 ई.)
92	मैथिलीशरण गुप्त	भारत-भारती	राष्ट्रीय चेतना का काव्य (इन्हें महात्मा गांधी ने 'राष्ट्रकवि' कहा)
93	मैथिलीशरण गुप्त	साकेत	उर्मिला के विरह पर आधारित खड़ी बोली का महाकाव्य
94	जयशंकर प्रसाद	कामायनी	छायावाद का सर्वश्रेष्ठ महाकाव्य (15 सर्ग, मनु-श्रद्धा पात्र)

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य विधा (प्रसिद्ध काव्य रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
95	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	राम की शक्ति पूजा / सरोज स्मृति	महाप्राण निराला की लंबी और सर्वश्रेष्ठ कविताएँ
96	सुमित्रानंदन पंत	पल्लव / चिदंबरा	पंत को 'प्रकृति का सुकुमार कवि' कहते हैं (चिदंबरा पर ज्ञानपीठ पुरस्कार)
97	महादेवी वर्मा	यामा	आधुनिक युग की मीरा (यामा संकलन पर ज्ञानपीठ पुरस्कार)

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य विधा (प्रसिद्ध काव्य रचनाएँ)

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
98	रामधारी सिंह 'दिनकर'	कुरुक्षेत्र / रश्मिरथी दानवीर कर्ण	ओज और वीर रस के आधुनिक कवि (कर्ण के जीवन पर रश्मिरथी)
99	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'	आँगन के पार द्वार	प्रयोगवाद के जनक (तार सप्तक के संपादक)
100	सुभद्रा कुमारी चौहान	झाँसी की रानी	वीर रस की सुप्रसिद्ध और सर्वाधिक लोकप्रिय कविता

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
101	भारतेन्दु हरिश्चंद्र	वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति	प्रहसन नाटक (सामाजिक कुरीतियों पर करारा व्यंग्य)
102	बालकृष्ण भट्ट	साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है	प्रसिद्ध विचारात्मक निबंध
103	बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'	जीर्ण जनपद	भारतेन्दु युग का प्रसिद्ध देशप्रेम प्रधान काव्य
104	बाबू श्यामसुंदर दास	साहित्यालोचन	हिन्दी की पहली व्यवस्थित समीक्षा/आलोचना पुस्तक

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
105	गया प्रसाद शुक्ल 'सनेही'	कृषक क्रंदन	किसानों की दयनीय स्थिति पर रचित खड़ी बोली का काव्य
106	श्रीधर पाठक	एकान्तवासी योगी	खड़ी बोली की प्रथम अनूदित/स्वतंत्र रचना
107	रामनरेश त्रिपाठी	पथिक / मिलन	द्विवेदी युग के प्रसिद्ध देशप्रेम प्रधान खंडकाव्य
108	माखनलाल चतुर्वेदी	पुष्प की अभिलाषा	कविता (इन्हें 'एक भारतीय आत्मा' कहा जाता है)

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
109	माखनलाल चतुर्वेदी	हिम तरंगिणी	इस काव्य पर हिन्दी का पहला साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला
110	बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'	उर्मिला	द्विवेदी युग की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना का महाकाव्य
111	सोहनलाल द्विवेदी	भैरवी / वासन्ती	राष्ट्रीय भावनाओं से ओतप्रोत सुप्रसिद्ध गांधीवादी काव्य
112	रामधारी सिंह 'दिनकर'	उर्वशी	काव्य-नाटक (इस अमर कृति पर इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला)

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
113	रामधारी सिंह 'दिनकर'	संस्कृति के चार अध्याय	भारतीय इतिहास और संस्कृति का सुप्रसिद्ध गद्य ग्रंथ
114	हरिवंश राय बच्चन	मधुशाला / मधुबाला	हलावाद के प्रवर्तक कवि की अत्यंत लोकप्रिय रचनाएँ
115	हरिवंश राय बच्चन	क्या भूलूँ क्या याद करूँ	चार भागों में रचित हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ आत्मकथा
116	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	कुकुरमुत्ता	पूँजीवाद पर तीखा प्रहार करने वाली प्रगतिवादी कविता

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
117	नागार्जुन	युगधारा / सतरंगे पंखों वाली	जन-कवि नागार्जुन की प्रसिद्ध प्रगतिशील कविताएँ
118	नागार्जुन	बाबाल बटेसरनाथ / बलचनमा	आंचलिक परिवेश के प्रसिद्ध प्रगतिवादी उपन्यास
119	केदारनाथ अग्रवाल	फूल नहीं रंग बोलते हैं	प्रगतिवादी दौर का सुप्रसिद्ध प्रगतिशील काव्य
120	त्रिलोचन शास्त्री	धरती / गुलाब और बुलबुल	प्रगतिवाद के प्रमुख कवि (इन्हें 'सोंठ' छंद का उस्ताद कहते हैं)

HINDI BY ARUN SIR

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
121	सच्चिदानंद हीरानंद 'अज्ञेय'	कितनी नावों में कितनी बार	इस काव्य संग्रह पर अज्ञेय जी को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला
122	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	चाँद का मुँह टेढ़ा है	चाँद का मुँह टेढ़ा है
123	गजानन माधव 'मुक्तिबोध'	एक साहित्यिक की डायरी	प्रसिद्ध बौद्धिक आलोचनात्मक गद्य
124	भवानी प्रसाद मिश्र	गीत फरोश	नई कविता के प्रमुख कवि (इन्हें 'कविता का गांधी' कहते हैं)

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
125	शमशेर बहादुर सिंह	चुका भी हूँ नहीं मैं	इन्हें 'कवियों का कवि' और मूड्स का कवि कहा जाता है
126	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	खूँटियों पर टंगे लोग	इस सुप्रसिद्ध काव्य संग्रह पर इन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला
127	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	बकरी	समकालीन राजनीतिक विसंगतियों पर रचित प्रसिद्ध नाटक
128	नरेश मेहता	संशय की एक रात	भगवान राम के मन के संशय पर आधारित नई कविता का काव्य

HINDI BY ARUN SIR

भाग 4: आधुनिक काल - पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
129	धर्मवीर भारती	कनुप्रिया	राधा और कृष्ण के प्रेम पर आधारित सुप्रसिद्ध गीति-काव्य
130	सुदामा पांडेय 'धूमिल'	संसद से सड़क तक / कल सुनना मुझे	समकालीन मोहभंग और आक्रोश की सर्वश्रेष्ठ कविताएँ
131	रघुवीर सहाय	लोग भूल गए हैं	समकालीन सामाजिक-राजनैतिक चेतना का प्रसिद्ध काव्य
132	कुँवर नारायण	आत्मजयी	नचिकेता के पौराणिक प्रसंग पर आधारित कालजयी प्रबंधकाव्य

HINDI BY ARUN SIR

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
133	केदारनाथ सिंह	अकाल में सारस	इस सुप्रसिद्ध काव्य संग्रह पर इन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला
134	इलाचंद्र जोशी	संन्यासी / जहाज़ का पंछी	प्रमुख मनोवैज्ञानिक/मनोविश्लेषणवादी उपन्यास
135	जैनेंद्र कुमार	त्यागपत्र / परख	हिन्दी के प्रमुख मनोवैज्ञानिक उपन्यास
136	अमृतलाल नागर	खंजन नयन	सूरदास के जीवन पर आधारित जीवनी-परक प्रसिद्ध उपन्यास

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
137	अमृतलाल नागर	मानस का हंस	गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर आधारित सुप्रसिद्ध उपन्यास
138	आचार्य चतुरसेन शास्त्री	वैशाली की नगरवधू / वयम् रक्षामः	प्रसिद्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक उपन्यास
139	वृंदावनलाल वर्मा	मृगनयनी / गढ़ कुंडार	बुंदेलखंड के इतिहास पर आधारित सर्वश्रेष्ठ ऐतिहासिक उपन्यास
140	विष्णु प्रभाकर	आवारा मसीहा	शरतचंद्र के जीवन पर रचित हिन्दी की सर्वश्रेष्ठ जीवनी

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
141	विष्णु प्रभाकर	अर्द्धनारीश्वर	प्रसिद्ध सामाजिक चेतना का उपन्यास (साहित्य अकादमी विजेता)
142	राही मासूम रज़ा	आधा गाँव	भारत-पाक विभाजन और शिया मुसलमानों पर आधारित उपन्यास
143	भीष्म साहनी	चीफ़ की दावत तमस	आधुनिक समाज के खोखलेपन और पारिवारिक विघटन की कहानी

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
144	कृष्णा सोबती	जिन्दगीनामा / मित्रो मरजानी	नारी विमर्श और पंजाबी संस्कृति का कालजयी उपन्यास
145	कमलेश्वर	कितने पाकिस्तान	भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर रचित प्रसिद्ध उपन्यास
146	कमलेश्वर	राजा निरबंसिया	नई कहानी आंदोलन की सुप्रसिद्ध और मील का पत्थर कहानी

भाग 4: आधुनिक काल – पद्य एवं गद्य का विस्तार

क्र.सं.	प्रसिद्ध कवि / लेखक	प्रसिद्ध रचना का नाम	विधा / विशेष तथ्य (परीक्षा के लिए उपयोगी)
147	शरद जोशी	जीप पर सवार इल्लियाँ	समकालीन प्रशासनिक अव्यवस्था पर करारा व्यंग्य निबंध
148	शंकर शेष	एक और द्रोणाचार्य	आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के भ्रष्टाचार पर प्रहार करता नाटक
149	महादेवी वर्मा	गिल्लू / गौरा	हिन्दी साहित्य के सर्वश्रेष्ठ रेखाचित्र एवं संस्मरण
150	रामवृक्ष बेनीपुरी	माटी की मूरतें / गेहूँ और गुलाब	शब्द-चित्रों और रेखाचित्रों का सुप्रसिद्ध संग्रह

अनुच्छेद | अपठित गद्यांश | अर्थबोध | पैराग्राफ

① गद्यांश का शीर्षक | आशय | सार | उद्देश्य -

उत्तर - गद्यांश के पहले दो या अन्तिम दो वाक्य में।

2. किस शब्द का प्रयोग गद्यांश में नहीं हुआ है :-

उत्तर - जो तीन शब्द विकल्प में दिये है उनको पहचानना है।

3. बेमेल या असंगत शब्द बताइये -

उत्तर - संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया = विकारी शब्द
अव्यय, निपात, लिंग, वचन, सामासिक पद, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय

स्मृति

(4). विषयवस्तु, घटना, प्रसंग से सम्बन्धी प्रश्न -

उत्तर - (i) गद्यांश को बिना पढ़े - प्रश्न के अन्तर्गत आने वाले शब्द को गद्यांश के वाक्य में खोज कर।

(ii) गद्यांश को पढ़कर - प्रश्न के शब्दों को पूरे गद्यांश में ढूंढ़कर।

(5) हिन्दी व्याकरण के प्रश्न -

उत्तर - बिना गद्यांश को पढ़े व देख सीधे उत्तर देना है।

(6) हिन्दी शब्दावली के प्रश्न - उत्तर - बिना गद्यांश को पढ़े व देख सीधे उत्तर देना है।

शब्दार्थ

अपठित गद्यांश भाग -1

"साहित्य का आधार जीवन है। इसी आधार पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियां, मीनार और गुंबद बनते हैं। लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दवी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की खोज में लगा रहता है। किसी को यह रत्न, द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चीड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में। लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है, उसी आनंद को दर्शाना वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।"

1. साहित्य और जीवन में गहरा संबंध है क्योंकि

(a) जीवन का मुख्य आधार साहित्य है

(b) साहित्य जीवन की मजबूत दीवार है

(c) साहित्य का आधार जीवन है

(d) साहित्य का आनंद जीवन से ऊंचा है

2. मनुष्य किसकी खोज में जीवन भर लगा रहता है

(a) परमात्मा की

(b) आनंद की

(c) साहित्य की

(d) रत्न द्रव्य भरे पूरे परिवार लंबे चौड़े भवन एवं ऐश्वर्य को पाने की

3. साहित्य के आनंद का आधार है

(a) सुंदर और सत्य को पाना

(b) जीवन

(c) रत्न और ऐश्वर्य पाना

(d) परमात्मा

4. परिमिति का अर्थ है

(a) सीमित

(b) दबा हुआ

(c) विस्तृत

(d) फंसा हुआ

5. 'लंबे चौड़े भवन में' वाक्य में लंबे चौड़े व्याकरण की दृष्टि से क्या है

विशेष्य (संज्ञा)

(a) क्रियाविशेषण है

(b) संज्ञा है

(c) क्रिया है

(d) विशेषण है

अपठित गद्यांश भाग-2

निदा की ऐसी ही महिमा है। दो-चार निंदको को एक जगह बैठकर निंदा में निमग्न देखिए और तुलना कीजिए, दो चार ईश्वर भक्तों से जो रामधुन गा रहे हैं। निंदको की-सी एकाग्रता, परस्पर आत्मीयता, निमग्नता भक्तों में दुरलभ है। इसलिए संतों ने निंदको का आंगन कुटी छवाय पास रखने की सलाह दी है कुछ 'मिशनरी' निंदक मैंने देखे हैं। उनका किसी से बैर नहीं, धूप नहीं। वे किसी का बुरा नहीं सोचते पर चौबीस घंटे वे निंदा-कर्म में वात पवित्र भाव से लगे रहते हैं कि ये प्रसंग आने पर अपने बाप की पगड़ी भी उसी आनंद से उछालते हैं, जिस आनंद से अन्य लोग दुश्मन की। निंदा इनके लिए टॉनिक होती है। इयां-द्वेष से प्रेरित निंदा भी होती है। वह ईया-वेष से चौबीसों घंटे जलता है और निदा का जल छिड़ककर कुछ शांति अनुभव करता है। ऐसा निदक बड़ा दयनीय होता है। अपनी अक्षमता से पीड़ित वह बेचारा दूसरे की सक्षमता के चाँद को देखकर सारी रात श्वान जैसा भौकता है। ईष्या-दूवेष से प्रेरित निंदा करने वाले को कोई दंड देने की जरूरत नहीं है। वह निंदक बेचारा स्वयं दंडित होता है। जाप चौन से सोझा और वह जलन के कारण सो नहीं पाता। उसे और क्या दंड चाहिए निरंतर अच्छे काम करते जाने से उसका दंड भी सख्त होता जाता है; जैसे-एक कवि ने एक अच्छी कविता लिखी, ईर्ष्यग्रस्त निदक की कष्ट होगा अब अगर एक और अच्छी कविता लिख दी, तो उसका कष्ट दुगुना हो जाएगा।

6. निंदको की सी एकाग्रता, आत्मीयता व निमग्नता किसमें दुर्लभ है?

(a) साधारण लोगों में

(b) ईश्वर भक्तों में

(c) शिक्षितों में

(d) नास्तिकों में

7. निंदको को पास रखने की सलाह किसने दी है

(a) संतो ने

(b) साथियों ने

(c) भाग्यवान ने

(d) पड़ोसियों ने

8. निंदा-कर्म से पवित्र भाव से कौन लगा रहता है

(a) निंदक

(b) पड़ोसी

(c) अपने रिश्तेदार

(d) मिशनरी निंदक

9. ईर्ष्या, द्वेष, की आग में जलने वाला शांति का अनुभव कैसे करता है

(a) कार्बन डाइऑक्साइड से

(b) मिट्टी डालकर

(c) निंदा का जल छिड़ककर

(d) भगवत भजन करके

10. कवि की अच्छी कविता पर ईर्ष्याग्रस्त निंदक कैसा अनुभव करता है

(a) कष्ट का

(b) सुख का

(c) खुशी का

(d) प्रसन्नता का

अपठित गद्यांश भाग-3

"सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है। मनुष्य किसी भी कारणवश जब किसी के कष्ट को दूर करने का संकल्प करता है, तब जिस सुख को वह अनुभव करता है, वह सुख विशेष रूप से प्रेरणा देनेवाला होता है। जिस भी कार्य को करने के लिए मनुष्य में कष्ट, दु:ख या हानि को सहन करने की ताकत आती है, उन सबसे उत्पन्न आनंद ही उत्साह कहलाता है उदाहरण के लिए दान देनेवाला व्यक्ति निश्चय ही अपने भीतर एक विशेष साहस रखता है और वह है धन-त्याग का साहस । यही त्याग यदि मनुष्य प्रसन्नता के साथ करता है तो उसे उत्साह से किया गया दान कहा जाएगा उत्साह आनंद और साहस का मिला-जुला रूप है। उत्साह में किसी-न-किसी वस्तु पर ध्यान अवश्य केंद्रित होता है। वह चाहे कर्म पर, चाहे कर्म के फल पर और चाहे व्यक्ति या वस्तु पर हो। इन्हीं के आधार पर कर्म करने में आनंद मिलता है। कर्म-भावना से उत्पन्न आनंद का अनुभव केवल सच्चे वीर ही कर सकते हैं क्योंकि उनमें साहस की अधिकता होती है। सामान्य व्यक्ति कार्य पूरा हो जाने पर जिस आनंद का अनुभव करता है, सच्चा वीर कार्य प्रारंभ होने पर ही उसका अनुभव कर लेता है। आलस्य उत्साह का सबसे बड़ा शत्रु है। जो व्यक्ति आलस्य से भरा होगा, उसमें काम करने के प्रति उत्साह कभी उत्पन्न नहीं हो सकता। उत्साही व्यक्ति असफल होने पर भी कार्य करता रहता है। उत्साही व्यक्ति सदा दृढनिश्चयी होता है।"

11. उत्साह का प्रमुख लक्षण है

(a) जोश

(b) साहस

(c) आनंद

(d) आनंद और जोश

12. सच्चे वीर वे होते हैं

(a) जो फल पाने के लिए उत्साह दिखाते हैं

(b) जो कर्म भाव से उत्साह दिखाते हैं

(c) जो निष्काम भाव से उत्साह दिखाते हैं

(d) जो आनंद विनोद के लिए उत्साह दिखाते हैं

13. उत्साह के मार्ग में सबसे बड़ी रुकावट है

(a) दुख

(b) निराशा

(c) वैराग्य

(d) आलस्य

14. 'सच्चा उत्साह वही होता है जो मनुष्य को कार्य करने के लिए प्रेरणा देता है।' उपवाक्य का प्रकार है

(a) प्रधान उपवाक्य

(b) विशेषण उपवाक्य

(c) क्रिया विशेषण उपवाक्य

(d) संज्ञा उपवाक्य

15. केंद्रित और अधिकता में क्रमशः प्रत्यय इस प्रकार है

(a) द्रित, ता

(b) ईत, आ

(c) इत, ता

(d) ईत, ता

केन्द्र + इत = केन्द्रित

अपठित गद्यांश भाग-4

विद्यार्थी जीवन ही वह समय है जिसमें बच्चों के चरित्र, व्यवहार, आचरण को जैसा चाहे, वैसा रूप दिया जा सकता है। यह अवस्था भावी वृक्ष की उस कोमल शाखा की भाँति है, जिसे जिधर चाहो मोड़ा जा सकता है। पूर्णतः विकसित वृक्ष की शाखाओं को मोड़ना संभव नहीं। उन्हें मोड़ने का प्रयास करने पर वे टूट तो सकती हैं पर मुड़ नहीं सकतीं। छात्रावस्था उस श्वेत चादर की तरह होती है, जिसमें जैसा प्रभाव डालना हो, डाला जा सकता है। सफेद चादर पर एक रंग जो चढ़ गया, सो चढ़ गया, फिर से वह पूर्वावस्था को प्राप्त नहीं हो सकती। इसीलिए प्राचीन काल से ही विद्यार्थी जीवन के महत्त्व को स्वीकार किया गया है। इसी अवस्था से सुसंस्कार और सद्वृतियाँ पोषित की जा सकती हैं। इसीलिए प्राचीन समय में बालक को घर से दूर गुरुकुल में रहकर कठोर अनुशासन का पालन करना होता था।

16. व्यवहार को सुधारने का सर्वोत्तम समय होता है

(a) प्रौढ़ावस्था

(b) युवावस्था

(c) वृद्धावस्था

(d) छात्रावस्था

17. छात्रों को गुरुकुल में छोड़ा जाता था

(a) कठोर अनुशासन के लिए

(b) घर से दूर रखने के लिए

(c) अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए

(d) इनमें से कोई नहीं

18. छात्रावस्था कि उपयुक्त तुलना की गई है

(a) विकसित वृक्ष से

(b) सफेद चादर से

(c) अविकसित वृक्ष से

(d) वृक्ष की विकसित शाखा से

19. इनमें से किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं किया गया है

(a) महत्त्व

(b) सुसंस्कार = सु + सम् + कार   सम् + कार

(c) अनुशासन = अनु + शासन

(d) अविकसित = अ + विकसित

20. प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है

(a) चरित्र और व्यवहार

(b) कठोर अनुशासन

(c) विद्यार्थी जीवन

(d) छात्र एक वृक्ष

अपठित गद्यांश भाग-5

भारतीय मनीषी हमेशा ही इच्छा और अनिच्छा के बारे में सोचता रहा है। आज जो कुछ हम हैं उसे एक लालसा में सिमटाया जा सकता है। यानी जो कुछ भी हम है वह सब अपनी इच्छा के कारण से हैं। यदि हम दुखी हैं, यदि हम दास्ता में हैं, यदि हम अज्ञानी हैं, यदि हम अंधकार में डूबे हैं, यदि जीवन एक लंबी मृत्यु है तो केवल इच्छा के कारण से ही है।
क्यों है यह दुख? क्योंकि हमारी इच्छा पूरी नहीं हुई। इसलिए यदि आपको कोई इच्छा नहीं है तो आप निराश कैसे होंगे? यदि कहीं आप निराश होना चाहते हैं तो और अधिक इच्छा करें, यदि आप और दुखी होना चाहते हैं तो अधिक अपेक्षा करें, अधिक लालसा करें और अधिक आकांक्षा करें, इससे आप और अधिक दुखी हो ही जाएंगे। यदि आप सुखी होना चाहते हैं तो कोई इच्छा न करें। यही आंतरिक जगत में काम करने का गणित है। इच्छा ही दुख को उत्पन्न करती है।

21. भारतीय मनीषी के चिंतन का विषय क्या है

(a) जीवन मृत्यु

(b) जीवन आत्मा

(c) इच्छा अनिच्छा

(d) प्रकृति पुरुष

22. इच्छा का जीवन में क्या प्रभाव पड़ता है

(a) आनंद देती है

(b) सुख देती है

(c) लालसा बढ़ाती है

(d) कार्य क्षमता बढ़ाती है

23. मानव के लिए जीवन एक लंबी मृत्यु कब बन जाता है

(a) बीमारी में

(b) सुख में

(c) हर्ष में

(d) इच्छाओं के बढ़ने से

24. लेखक ने आंतरिक जगत में काम करने का गणित किसे कहा है

(a) भक्ति करने को

(b) इच्छा न करने को

(c) विनम्र रहने को

(d) कष्ट भोगने को

25. लालसा शब्द के दो पर्यायवाची हैं

(a) इच्छा, आकांक्षा

(b) इच्छा, बल

(c) बल, आकांक्षा

(d) आकांक्षा, निराशा

अपठित गद्यांश भाग-6

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत जान ली वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया उसके लिए कोई भी काम करना असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोई काम पूरा न होने पर समय की दुहाई देते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रह कर निठल्ले समय बिताना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्यव्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने के बाद कार्य फलप्रद नहीं होता।

26. विद्यार्थी को सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है

(a) समय की दुहाई देना

(b) समय की कीमत समझना

(c) समय पर काम करना

(d) दृढ़ विश्वास बनाए रखना

27. कुछ लोग समय की कमी के बहाने क्या छुपाते हैं

(a) अपनी अकर्मण्यता और आलस्य

(b) अपना निठल्लापन

(c) अपनी विभिन्न कमियां

(d) अपना बातूनीपन

28. दुनिया के सफलतम व्यक्तियों की सफलता का रहस्य क्या है

(a) समय का पालन

(b) समय का प्रयोग

(c) समय की कीमत

(d) समय का सदुपयोग

29. कार्य किस स्थिति में फलप्रद नहीं होता

(a) समय न आने पर

(b) समय कम होने पर

(c) समय बीत जाने पर

(d) समय अधिक होने पर

30. अकर्मण्यता शब्द में मूल शब्द एवं उपसर्ग अलग करके लिखिए

(a) अकर्मण्य+ता

(b) अ+कर्मण्यता

(c) अकर्मण्यता

(d) अकर्मण्यता

अपठित गद्यांश भाग-7

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज में उसके मित्र भी होते हैं, शत्रु भी, परिचित भी, अपरिचित भी। जहाँ तक शत्रुओं, परिचितों और अपरिचितों का प्रश्न है, उन्हें पहचानना बहुत कठिन नहीं होता, किंतु मित्रों को पहचानना कठिन होता है। मुख्यतः सच्चे मित्रों को पहचानना बहुत कठिन होता है। यह प्रायः देखा गया है कि एक और तो बहुत से लोग अपने-अपने स्वार्थवश सम्पन्न, सुखी और बड़े आदमियों के मित्र बन जाते हैं या ज्यादा सही यह होगा कि यह दिखाना चाहते हैं कि वे मित्र हैं। इसके विपरीत जहाँ तक गरीब, निर्धन और दुःखी लोगों का प्रश्न है मित्र बनाना तो दूर रहा, लोग उनकी छाया से भी दूर भागते हैं। इसीलिए कोई व्यक्ति हमारा वास्तविक मित्र है या नहीं, इस बात का पता हमें तब तक नहीं लग सकता जब तक हम कोई विपत्ति में न हों। विपत्ति में नकली मित्र तो साथ छोड़ देते हैं और जो मित्र साथ नहीं छोड़ते, वास्तविक मित्र वे ही होते हैं। इसीलिए यह ठीक ही कहा जाता है कि विपत्ति मित्रों की कसौटी है।

31. समाज में किसको पहचानना कठिन है

(a) सच्चे मित्र को

(b) शत्रु को

(c) सदाशय व्यक्ति को

(d) चालाक व्यक्ति को

32. संपन्न लोगों से लोग कैसा व्यवहार करते हैं

(a) उनसे लोग ईर्ष्या करते हैं

(b) लोग उनके मित्र बन जाते हैं

(c) लोग उनसे उदासीन रहते हैं

(d) उनकी छाया भी नहीं छूते

33. सच्चे मित्र की पहचान कब होती है?

(a) विपत्ति की घड़ी में

(b) सुख की घड़ी में

(c) मिलने जुलने पर

(d) मेलो उत्सव में

34. वास्तविक शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय है

(a) वास्तव+ईक

(b) वास्तव इक

(c) वास्तव+विक

(d) वास्त+विक

35. इस गद्यांश का उचित शीर्षक चुनिए

(a) मनुष्य

(b) समाज

(c) सच्चा मित्र

(d) मित्रता

अपठित गद्यांश भाग-8

निर्देशः नीचे दिये गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भारतेंदु युग में नाटक साहित्य ही प्रधान काव्य रूप बन गया था। किन्तु बाद में नाट्य-रचनाएँ कम हो गई। क्षेत्र में जयशंकर प्रसाद ने महत्वपूर्ण कार्य किया। उनके नाटकों से हिन्दी साहित्य में बहुत बड़े अभाव की पूर्ति हुई। नाट्य-रचना का विधान प्राचीन काव्य शास्त्र में विस्तार से किया गया है। हिन्दी नाटककारों ने उस विधान को ज्यों का त्यों स्वीकार नहीं किया। नांदी, मंगलाचरण, प्रस्तावना को हटाया जाने लगा। विष्कंभक, प्रवेशक, आदि का विधान छोड़ दिया गया। विदूषक के बदले कोई मनोरंजक पात्र रखा जाने लगा। सांचे में ढल हुए पात्रों के स्थान पर निजी व्यक्तित्व की विशेषताओं से युक्त पात्र आने लगें।

36. 'विदूषक' का अर्थ होता है:

(a) मूर्ख

(b) घृणा फैलने वाला व्यक्ति

(c) विद्वान

(d) हँसी उड़ाने वाला व्यक्ति

37. भारतेंदु युग में साहित्य का प्रधान रूप क्या हो गया था?

(a) कहानी

(b) निबंध

(c) नाटक

(d) उपन्यास

38. भारतेंदु के बाद नाटक के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किसका है?

(a) रामचन्द्र शुक्ल

(b) महावीरप्रसाद द्विवेदी

(c) प्रेमचंद

(d) जयशंकर प्रसाद

39. हिन्दी नाटक के संदर्भ में कौन सा कथन गलत है?

(a) निजी व्यक्तित्व से युक्त पात्र आने लगे।

(b) प्रवेशक आदि का विधान छोड़ा गया।

(c) मंगलाचरण, प्ररुतावना को हटाया जाने लगा।

(d) प्राचीन काव्यशास्त्र के विधान को ज्यों का त्यों स्वीकार किया।

40. दिए गए गद्यांश में विधान का आशय है:

(a) रचना-प्रणाली

(b) रंगमंच

(c) प्रयोजन

(d) भाग्य

अपठित गद्यांश भाग-9

नीचे दिये गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

श्री हरिकृष्ण प्रेमी के शिवासाधना और रक्षाबंधन नाटक प्रसिद्ध हैं। श्री प्रेमी के नाटकों के कथोपकथन स्वाभाविक हैं। शिवासाधना छत्रपति शिवाजी के जीवन पर है और रक्षाबंधन इस प्रसिद्ध ऐतिहासिक अनुश्रुति पर कि मेवाड़ की महारानी कर्मवती द्वारा राखी भेजने पर हुमायूँ ने गुजरात शासक बहादुरशाह को युद्ध में पराजित करके अपनी धर्म-बहन की रक्षा की थी। दोनों नाटकों पर स्वाधीनता आंदोलन के विचारों का प्रभाव स्पष्ट है।

41. ''शिवा साधना'' नाटक के लेखक कौन हैं?

(a) हरिकृष्ण प्रेमी

(b) लक्ष्मीनारायण मिश्र

(c) मोहन राकेश

(d) जयशंकर प्रसाद

42. गद्यांश में उल्लिखित नाटकों पर किसका प्रभाव है ?

(a) किसान आन्दोलन

(b) राजनीतिक आन्दोलन

(c) स्वाधीनता आंदोलन

(d) धार्मिक आन्दोलन

43. ‘करक्षाबंधन’ नाटक का सम्बन्ध किस शासक से है ?

(a) शाहजहाँ

(b) जहाँगीर

(c) हुमायूँ

(d) अकबर

44. बहादुरशाह कहाँ का शासक था ?

(a) गुजरात

(b) महाराष्ट्र

(c) राजस्थान

(d) उड़ीसा

45. गद्यांश में मेवाड़ की महारानी कौन थीं ?

(a) धर्मवती

(b) कर्मवती

(c) राजमती

(d) रूपवती

अपठित गद्यांश भाग-10

संसार में शांति, व्यवस्था और सद्भावना के प्रसार के लिए बुद्ध, ईसा मसीह, मुहम्मद चौतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण के पथ का निर्देश किया, किंतु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त्र बन गया। धर्म के नाम पर पृथ्वी पर जितना रक्तपात हुआ उतना और किसी कारण से नहीं। पर धीरे-धीरे मनुष्य अपनी शुभ बुधि से धर्म के कारण होने वाले अनर्थ को समझने लग गया है। भौगोलिक सीमा और धार्मिक विश्वासजनित भेदभाव अब धरती से मिटते जा रहे हैं। विज्ञान की प्रगति तथा संचार के साधनों में वृद्धि के कारण देशों की दूरियाँ कम हो गई हैं। इसके कारण मानव-मानव में घृणा, ईष्र्या वैमनस्य कटुता में कमी नहीं आई। मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है शिक्षा का व्यापक प्रसार।

46. मनुष्य अधर्म के कारण होने वाले अनर्थ को कैसे समझने लगा है

(a) संतों के अनुभव से

(b) वर्ण भेद से

(c) घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्य, कटुता से

(d) अपनी शुभ बुधि से

47. विज्ञान की प्रगति और संचार के साधनों की वृद्धि का परिणाम क्या हुआ है।

(a) देशों में भिन्नता बढ़ी है।

(b) देशों में वैमनस्यता बढ़ी है।

(c) देशों की दूरियाँ कम हुई है।

(d) देशों में विदेशी व्यापार बढ़ा है।

48. देश में आज भी कौन-सी समस्या है

(a) नफरत की

(b) वर्ण-भेद की

(c) सांप्रदायिकता की

(d) अमीरी-गरीबी की

49. किस कारण से देश में मानव के बीच, घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्यता एवं कटुता में कमी नहीं आई है?

(a) नफरत से

(b) सांप्रदायिकता से

(c) अमीरी गरीबी के कारण

(d) वर्ण-भेद के कारण

50. मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है

(a) शिक्षा का व्यापक प्रसार

(b) धर्म का व्यापक प्रसार

(c) प्रेम और सद्भावना का व्यापक प्रसार

(d) उपर्युक्त सभी

ANSWER KEY

1.	(c)	8.	(d)	15.	(c)	22.	(b)	29.	(c)	37.	(c)	44.	(a)
2.	(b)	9.	(c)	16.	(d)	23.	(d)	30.	(b)	38.	(d)	45.	(b)
3.	(a)	10.	(a)	17.	(a)	24.	(b)	31.	(a)	39.	(d)	46.	(d)
4.	(a)	11.	(d)	18.	(b)	25.	(a)	32.	(b)	40.	(a)	47.	(c)
5.	(d)	12.	(b)	19.	(a)	26.	(b)	33.	(a)	41.	(a)	48.	(b)
								34.	(b)				
6.	(b)	13.	(d)	20.	(c)	27.	(a)	35.	(c)	42.	(c)	49.	(d)
7.	(a)	14.	(b)	21.	(c)	28.	(d)	36.	(d)	43.	(c)	50.	(a)